Daily News

Max Healthcare

Date: 07-03-2010 | Edition: Jaipur | Page: 13 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 20 H: 9

Clip: 1 of 1

बेरियाटिक सर्जरी में युवा आगे

युवाओं में बढ़ती ओबेसिटी की प्रॉब्लम से सामने आ रही हैं कई बीमारियां

सिटी रिपोर्टर. जयपुर

इंडिया में ओबेसिटी की सबसे ज्यादा केस नॉर्थ इंडिया में देखे जा रहे हैं। अगर स्थिति को कन्ट्रोल नहीं किया गया तो आने वाले दस सालों में देश का हर दूसरा युवा मोटापे की वजह से किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त होगा। यह कहना है मुम्बई से आए बेरियाटिक सर्जरी स्पेशलिस्ट डॉ. एसएस कौशिक का। ओबेसिटी सर्जरी सोसायटी ऑफ इंडिया की ओर से होटल क्लार्क्स आमेर में चल रही ऑसिकोन-2010 कॉन्फ्रेंस में आए डॉ. कौशिक ने शनिवार को बताया कि इस सर्जरी को करवाने वालों में सबसे बड़ा वर्ग युवाओं का है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि युवाओं में बढ़ रही ओबेसिटी पहले सिर्फ स्मार्ट लुक के लिए प्रॉब्लम क्रिएट किया करती थी, लेकिन आज यह कई और बीमारियों की जड़ बन रही है। अगर यही स्थिति रही तो जल्द ही युवाओं में 18 से 22 वर्ष की उम्र में ही हाईपर टेंशन, डायबिटीज, बीपी की प्रॉब्लम सामने आने लगेगी।

तब पांच आज पचास

बेरियाटिक सर्जरी स्पेशलिस्ट डॉ. प्रदीप चौबे ने बताया कि इंडिया में यह सर्जरी 2002 से होने लगी है। उस समय एक महीने में करीब दो से पांच सर्जरी हुआ करती थी, वहीं आज रेशो 50 पार हो गया है। आज यह सर्जरी लेप्रोस्कोपी के जरिए होती है, जो पैन लेस है।

70 प्रतिशत युवा

इंदौर से आए डॉ. विजय सोनी कहते हैं कि उनके पास आने वाले पेशेंट में 70 प्रतिशत युवा होते हैं। युवाओं में ओबेसिटी की प्रॉब्लम के कारण इनफर्टिलिटी की प्रॉब्लम भी सामने आने लगी हैं। सर्जरी का मुख्य उद्देश्य इन युवाओं को इनफर्टिलिटी और डायब्रिटीज प्रॉब्लम से छुटकारा दिलाना होता है।